1) (क) सर्र हवा के उड़ी चली,
रंग बिरंगी इक तितली।
(ख) तितली बोली- "आलस छोड़ो,
बंद पँखुड़ी अपनी खोलो।
(ग) देखो दुनिया कितनी सुंदर,
रंग - बिरंगी, चमकीली।"